श्री कामेश्वर सिंह 'सहायक प्रोफेसर'
राजनीति विज्ञान; रोहतास महिला कालेज सासाराम।
वर्ग – बी०ए० पार्ट – I 'प्रतिष्ठा'
पत्र – Ist, यूनिट न० – 30
राजनीतिक विचारक – डा० पुलराज जैन
दिनांक – 11 - 07 - 2020

आलोचना :– मार्क्स की वर्ग संघर्ष की आलोचना निम्नलिखित आधारों पर की जाती है।

(1) **एकांकी और त्रुटिपूर्ण** :→ वर्ग संघर्ष का सिद्धान्त एकांगी और त्रुटिपूर्ण है। क्योंकि यह मान लिया गया है कि अब तक का समाज वर्ग संघर्ष का इतिहास है। और वह यह भूल जाता है कि मनुष्य में प्रेम और सहयोग तथा सद्भावना की प्रबल भावना होती है।

(2) **अस्पष्ट परिभाषा** :→ मार्क्स समाज को पूँजीवादी और सर्वहारा वर्ग में विभाजित किया है। परन्तु कभी दोनों को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है।

(3) **दो ही वर्ग नहीं होते** :→ समाज में दो ही वर्ग उच्च और निम्न नहीं होते हैं। समाज में एक और वर्ग मध्यम वर्ग भी होता है। जो डाक्टरों और इंजीनियरों और शिक्षकों आदि से बना है।

(4) **अतिशयोक्ति पूर्ण** :→ मार्क्स का यह कहना है कि मानव इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास है अतिशयोक्ति पूर्ण है। यह राजनीतिक कारणों से होते रहे हैं। आर्थिक कारणों से नहीं। साम्राज्यों की स्थापना भी राजनीतिक कारणों से ही होते रहे हैं।

(5) **आर्थिक आधार नहीं** :→ समाज आर्थिक कारणों से नहीं बनता है इसके आधार विभिन्न होते हैं।

Scanned with CamScanner

और पराजित निम्न वर्ग।

(6) मजदूरों की विजय अनिवार्य नहीं :→ मार्क्स वर्ग संघर्ष में मजदूरों की विजय को आकाट्य सत्य मानता है। परन्तु उसका यह मत वैज्ञानिक तथ्यों पर नहीं बल्कि सुखद आशाओं पर आधारित है।

(7) पूँजीवाद का विनाश नहीं :→ मार्क्स के अनुसार वर्ग संघर्ष के कारण पूँजीवाद का विनाश होगा। परन्तु ब्रिटेन और अमेरिका ने यह सिद्ध कर दिया है कि पूँजीवाद का विनाश सम्भव नहीं है।

निष्कर्ष :→ यद्यपि मार्क्स के वर्ग संघर्ष की आलोचना विभिन्न आधारों पर की जाती है। तथापि इसमें सच्चाई निश्चित आधारों पर की जाती है। इसी वर्ग संघर्ष के कारण रूस और चीन में साम्यवाद का प्रचार एवं प्रसार हुआ। एक ओर उसने इतिहास की पहेली को सुलझा कर रख दिया है तो दूसरी ओर समाज में हिंसा, द्वेष, घृणा और वैमनस्य का वातावरण उत्पन्न कर दिया। संक्षेप में हम यह कह सकते हैं कि वर्ग संघर्ष का सिद्धान्त जहाँ सैद्धान्तिक सिद्धांत से इतिहास की धारा को बदल डालने को प्रेरित करता है वहीं व्यवहारिक दृष्टि से तनाव, अशांति, हिंसा और द्वेष को उत्पन्न करने वाला है।

Scanned with CamScanner